

बाढ़ के लिए क्या करें और क्या न करें

बाढ़ से पहले :

- अफवाहों पर ध्यान न दें, शांत रहें, घबराएं नहीं ।
- आपातकालीन संचार के लिए अपने मोबाइल फोन को चार्ज रखें; एसएमएस का उपयोग करें ।
- रेडियो को सुनें, टीवी देखें, मौसम के अपडेट के लिए समाचार पत्र पढ़ें ।
- मवेशियों / जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें खुला रखें ।
- सुरक्षा और अस्तित्व के लिए आवश्यक वस्तुओं के साथ एक आपातकालीन किट तैयार करें ।
- वाटर-प्रूफ बैग में अपने दस्तावेज़ और कीमती सामान रखें ।
- नजदीकी आश्रय / ऊंचाई वाले पक्के घर के सुरक्षित मार्गों को जानें ।
- सरकारी अधिकारियों द्वारा निर्देशित किए जाने पर तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंच जाएं ।
- कम से कम एक सप्ताह के लिए पर्याप्त तैयार भोजन और पानी स्टोर करें ।
- नहरों, नालों, जल निकासी चैनलों जैसे आकस्मिक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) क्षेत्रों से अवगत रहें ।

बाढ़ के दौरान :

- बाढ़ के पानी में प्रवेश न करें । यदि आवश्यकता होती है तो उपयुक्त जूते (फुटवियर) पहने ।
- सीवरेज लाइनों, गटर, नालियों, पुलिया इत्यादि से दूर रहें ।
- बिजली से होने वाली मौत से बचने के लिए बिजली के खंभे और गिरी हुई बिजली लाइनों से दूर रहें ।
- किसी खुले नाले या मैनहोल को दिखने वाले चिन्ह (लाल झंडे या बैरिकेड्स) से चिह्नित करें।
- बाढ़ के पानी में न चलें और न ही गाड़ी चलाएं । याद रखें, दो फीट बहता बाढ़ का पानी बड़ी कारों को भी बहा सकता है ।
- ताजा पका हुआ या सूखा खाना खाएं । अपने भोजन को ढक कर रखें ।
- उबला हुआ / क्लोरीनयुक्त पानी पीये ।

- अपने आसपास को साफ रखने के लिए कीटाणुनाशकों का उपयोग करें ।

बाढ़ के बाद :

- बच्चों को बाढ़ के पानी में या उसके आसपास खेलने की अनुमति न दें ।
- किसी भी क्षतिग्रस्त बिजली के सामान का उपयोग न करें, उनकी जांच करवाएं ।
- यदि निर्देश दिया गया है, तो मुख्य स्विच पर की उपयोगिताओं को बंद कर दें और उपकरणों का कनेक्शन हटा दें - यदि गीला हो तो बिजली के उपकरणों को न छुएं ।
- टूटे बिजली के खंभे और तारों, तेज वस्तुओं और मलबे के लिए ध्यान रखें ।
- ऐसे भोजन का सेवन न करें जो बाढ़ के पानी में रहा हो ।
- मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें ।
- सांपों से सावधान रहें क्योंकि बाढ़ के दौरान सांप का काटना आम है ।
- पानी की लाइनें / सीवेज पाइप क्षतिग्रस्त होने पर शौचालय या नल के पानी का उपयोग न करें ।
- स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह सलाह दिए जाने तक कि 'पानी पीने के लिए सुरक्षित है', नल का पानी न पिएं ।

यदि आपको खाली करने की आवश्यकता है :

- बिस्तर और मेज (टेबल) पर के उपकरणों, फर्निचर को ऊंचा उठाएं ।
- शौचालय के कटोरे में सैंडबैग रखें और मल निकासी के उलट प्रवाह को रोकने के लिए सभी नाली छेदों को कवर करें ।
- बिजली और गैस कनेक्शन बंद करें ।
- एक उच्च भूमि / सुरक्षित आश्रय में जाएं ।
- आपातकालीन किट, प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स, कीमती सामान और महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने साथ रखें ।
- गहरे, अज्ञात जल में प्रवेश न करें; पानी की गहराई की जांच के लिए एक छड़ी का उपयोग करें।

- घर वापस तभी आएँ जब अधिकारी आपसे ऐसा करने के लिए कहें ।
- एक परिवार संचार योजना बनाएं ।
- जो कुछ भी गीला हो गया है उसे साफ और कीटाणुरहित करें ।

कृषि में बाढ़ के लिए क्या करें और क्या न करें

करने योग्य :

- मवेशियों / जानवरों को शेड में रखें और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें ।
- पशुओं को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना ।
- बाढ़ प्रवण क्षेत्रों में फसलों की जलमग्न सहिष्णु किस्मों को अपनाना ।
- बाढ़ के बाद खेतों से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें ।
- भारी बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में, कम अवधि HYV चावल किस्मों के साथ सामुदायिक नर्सरी बढ़ाने के लिए उच्च भूमि का चयन करें । बाढ़ का पानी कम होने के बाद, किसान उसी की रोपाई कर सकते हैं ।
- यदि मुख्य खेत में रोपाई या चावल की फसल का संपूर्ण नुकसान हुआ है, तो खेत की भारी क्षति होने पर पुराने उद्भवों के साथ देर से और सांतर (स्टैगरिंग) रोपण करें ।
- उच्च भूमि की स्थिति में, अरहर और तिल को खेती के लिए चुना जा सकता है ।
- भारी वर्षा के पूर्वानुमान मिलने पर परिपक्व फसलों की कटाई तुरंत करें और काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें ।
- आंशिक रूप से प्रभावित खेतों में, चावल के खेत से अतिरिक्त पानी निकाल दें और 1 / 3rd N2 + 50% K2O को टॉप ड्रेसिंग के रूप में लागू करें यदि फसल दौजी निकलने के स्तर पर है ।
- बाढ़ के कारण फसल खराब होने पर फोटोनेसेंसिव लघु अवधि किस्म के साथ चावल का प्रत्यक्ष बीजारोपण ।
- यदि बाढ़ से बीज धुल जाते हैं, तो बीज की वैकल्पिक व्यवस्था करें ।

- बाढ़ प्रभावित फसलों में बाढ़ का पानी कम होने के बाद अतिरिक्त N उर्वरक लागू करें ।

क्या न करें :

- खुले मैदान में कटाई की गई उपज को न छोड़ें ।
- लंबे समय तक जल जमाव न होने दें, क्योंकि इससे सड़न और बीमारियों का विकास होता है।